©mayurpuri.com

हाँ जी

मुखड़ा:
इक लड़की से जब आँखे हुई चार
मैंने बोला हाँ जी
लड़की ने बोला मेरे बन जाओ यार
मैंने बोला हाँ जी
Sunday को एक ring पहनवा दी
Monday को फिर हो गई ये शादी
वो बोली सारी उमर करोगे मुझे प्यार
मैंने बोला हाँ जी

अंतरा 1:
हम खुश थे बड़े, हाँ जी
फिर आया tuesday, हाँ जी
लौटा घर पे हाँ जी
वो रूठी रूठी मिली मुझे
छत पे खड़े
डर के कहा हाँ जी
क्यूँ है मुझसे ख़फ़ा हाँ जी
फिर चली गोलियाँ हाँ जी
हाय भूला कैसे भूला तूने मेरा birthday
Ooh wednesday को माँगी माफ़ी,
Thursday बोली ये नहीं है काफ़ी
Friday को मुझे कसम खिला दी चार,
मैंने बोला हाँ जी

अंतरा 2:
Whole saturday sunday हाँ जी
वो हर दिन ग़म दे हाँ जी
कहाँ फस गया बंदे हाँ जी
हैं गोरी गोरी बाहें ये गले के फंदे
दिन साल महीना हाँ जी
मेरा चैन है छीना हाँ जी
मुश्किल हुआ जीना हाँ जी
मैं चुप चुप सहू ये जितने सितम दे
India में तो democracy,
घर में शौहर की ऐसी तैसी

©mayurpuri.com

©mayurpuri.com

यहाँ पे चले बीवियों की सरकार
बोलो सब हाँ जी, हाँ जी, हाँ जी
लड्डू है ये ऐसा जो भी खाए पछताए हाँ जी
शेर सारे घर आके चूहे बन जाए हाँ जी
Chewing gum ऐसी है कि जो भी ये चबाए हाँ जी
उगली ये जाए ना ही निगली ये जाए हाँ जी
एक बेचारा सब को ये समझाए
शादी बर्बादी है ये हाय शादी हाय
बिलकुल हाँ जी,
शादी बरबादी शादी बरबादी
हाय शादी हाय हाय शादी हाय

©mayurpuri.com